

पद ६४ (हिंदी)

(राग: यमन कल्याण – ताल: त्रिताल)

अंजनी को पूत गाड़ए मनाड़ए ।।ध्रु.।। रामदूत महाबली नाम लेत
बला टली । माणिक कहे रोट लंगोट धूप दे समझायिये ।।१।।